

जिसे 'रथांग' माना गया है, उनके हाथ में रथांग होने के कारण उन्हें 'रथांगपाणि' की संज्ञा दी गई।

रथिक वि. (तत्.) 1. रथ पर आरूढ़ व्यक्ति, रथ पर चलने वाला, रथ वाला 2. तिनिश का पेड़।

रथी वि. (तत्.) 1. रथ पर सवार हुआ, या रथ की सवारी करने वाला, रथ पर चढ़कर युद्ध करने वाला, रथी योद्धा 2. एक साथ एक हजार पैदल योद्धाओं से युद्ध करने में जो अकेले सक्षम हो, उसे रथी मानने की पुरानी धारणा थी।

रथोद्धता स्त्री. (तत्.) काव्य. एक समवर्णिक छंद, जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, नगण रगण, लघु और गुरु के योग से कुल ग्यारह वर्ण होते हैं।

रद पुं. (तत्.) दाँत, दंतावलि, मुँह की शोभा।

रदक्षत पुं. (तत्.) दाँत के काटे का चिह्न

रदच्छद पुं. (तत्.) दाँत को ढकने वाला या दाँत का आवरण-ओठ, ओष्ठ।

रददान पुं. (तत्.) दाँत गड़ाना, दाँत का निशान लगाना, प्रायः स्त्री पुरुष की कामक्रीड़ा में दंतक्षत होता है।

रदन पुं. (तत्.) दाँत, दंतपंक्ति, दंतावलि।

रदनी पुं. (तत्.) 1. दाँतों (रद) वाला, दाँतो से युक्त 2. हाथी।

रदपट पुं. (तत्.) 1. ओष्ठ, ओँठ, होंठ।

रदीफ पुं. (अर.) 1. (वि.) पीछे चलने वाला 2. वह शब्द या शब्द समूह जो शेर, गजल, कसीदे में काफिए के बाद बार-बार आए 3. घोड़े या ऊँट पर पीछे बैठने वाला आदमी 4. पीछे की सेना।

रद्द वि. (अर.) 1. बदला हुआ 2. छाँटा हुआ 3. खराब 4. निरस्त 5. खारिज़ पुं. 1. झुठलाना 2. अस्वीकार 3. फेर देना स्त्री. वमन, कै।

रद्दा पुं. (अर.) 1. मिट्टी की दीवार बनाने में तैयार गीली मिट्टी का वह अंश जिसे एक बार में दीवार में रखा जा सकता है 2. तह, खंड,

स्तर 3. पूरी दीवार की लंबाई में एक ईंट की जोड़ाई 4. कुश्ती- गरदन पर कुहनी और कलाई के बीच की हड्डी से आघात करना मुहा. रद्दा जमाना- आरोप लगाना, दूसरों पर दोषारोपण करना, इलजाम लगाना; रद्दा रखना- एक तह पर दूसरी तह रखना।

रद्दी वि. (फा.) 1. बेकार, निरूपयोगी, घटिया 2. स्त्री. पुराने अखबार, प्रयोग किये हुए बेकार फेंके हुए कागज आदि मुहा. 1. रद्दीखाना- वह स्थान जहाँ बेकार या खराब चीजें रखी या फेंकी जाएँ 2. रद्दी की टोकरी में डालना 1. किसी वस्तु को उपेक्षापूर्वक किसी खराब पात्र में फेंक देना 2. किसी वस्तु का उपयोगी या स्तरीय न होना।

रद्दोबदल पुं. (अर.) मान. किसी पूर्वनिर्धारित नियम, व्यवस्था कार्यक्रम आदि में परिवर्तन, तब्दीली।

रन पुं. (तद्.) 1. युद्ध, संग्राम, रण पुं. (अं.) 1. समुद्र का खंड विशेष, (कच्छ का रन आदि) 2. ताल, झील क्रिकेट क्रीड़ा में दोनों बल्लेबाजों द्वारा एक यष्टित्रय से दूसरे यष्टित्रय तक बिना बाहर हुए दौड़ लगाना, धावन, दौड़।

रनकना अ.क्रि. (तद्.) पैर में पहने हुए घुँघरू आदि का मंद-मंद मीठा शब्द होना, या मधुर ध्वनि होना।

रनना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी नूपुर आदि का मधुर तथा मंद-मंद ध्वनि करना 2. शब्द करना, झनकार करना।

रनबंका पुं. (देश.) योद्धा, बहादुर, रणबाँकुरा।

रनवादी वि. (तद्.) 1. युद्ध करने में कुशल 2. लड़ाका, योद्धा, शूर।

रनवास पुं. (तद्.) 1. राजमहल में रानियों के रहने का स्थान 2. अंतःपुर, रनिवास।

रनसाजी स्त्री. (तद्.+फा.) 1. युद्ध के लिए तैयार सैनिकों/योद्धाओं की स्थिति 2. युद्ध करने या आरंभ करने की क्रिया या भाव।